Shortage of NCERT books

*590. SHRI RAJKUMAR DHOOT : Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether it is a fact that there is a shortage of NCERT books particularly for senior secondary classes for this academic year;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the steps being taken to ensure that books are made available to students immediately?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DR. VALLABHBHAI RAMJIBHAI KATHIRIA): (a) to (c) As per information furnished by NCERT, they have already printed and released the textbooks for classes I to XI and for class XII (3rd Semester) for the current academic year. These books have been made available through a network of about 160 wholesale dealers throughout the country. The books are also sold from NCERT Headquarters' sales counter, New Delhi.

On account of the truckers' strike, some difficulties were experienced in dispatching the books to the regional centres of NCERT located at Kolkata, Ahmedabad and Bangalore for further delivery to the wholesale dealers in the respective regions. With the strike having been called off, the books are now being dispatched speedily to the respective centres, so that the books are available to the students.

श्री राजकुमार धूत: सर,मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि जब नए स्कूली सत्र का समय तय था और छात्रों की संख्या का लगभग अनुमान भी था, तो पर्याप्त मात्रा में पुस्तकों को उपलब्ध कराने की योजना क्यों नहीं बना सकी, ट्रकों की स्ट्राइक तो बाद में हुई ? मंत्री महोदय को यह देखना चाहिए कि आज लाखों-करोड़ों छात्रों को इसके कारण कितना नुकसान हुआ है, जो कि समयबद्वता के अभाव से उनको टाइम पर पुस्तकें नहीं मिल सकीं। ट्रक स्ट्राइक तो एक बहाना बन बया।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DR. VALLABHBHAI RAMJIBHAI KATHIRIA) : Sir, because of the stay given by the Supreme Court, last year, we could not publish the books on time. After September, 2002 we started printing books for the year 2003. Then we took up the task of printing new books for classes 2nd, 4th, 7th, 10th and 12th. These books are being published for the first time. That is why it took more time for printing books and for

deciding the curriculum. Now everything has been done. We have already dispatched books to all the Regional Centres.

श्री राजकुमार धूतः सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि क्या सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि एनसीईआरटी की पुस्तकें गर्मियों की छुटिट्यों से पहले छात्रों को मिल जाएं, ताकि वे छुटिट्यों का होम वर्क कर सकें और उनकी पढाई का हर्ज न हो, क्या सरकार के पास इस विषय में कोई शिकायत आई है? अगर आई है, तो सरकार जल्द से जल्द इसको हल करे। इस विषय को बहुत महत्वपूर्ण समझा जाए, क्योंकि छोटे-छोटे बच्चे इसके कारण बहुत तकलीफ में आ चुके हैं।

DR. VALLABHBHAIRAMJIBHAIKATHIRIA: Sir, we have taken up this matter very seriously. We had also held a meeting with the NCERT. It has been decided that books in English Medium for classes 10th and 12th would be supplied to the students before the 10th of May. Thereafter, when the vacation are over and the new sessions starts, we will definitely provide books to all the students in the country.

श्रीमती चन्द्रकला पांडे: सभापति जी, क्या मंत्री जी को इस तथ्य से अवगत कराया गया है कि इस बार एनसीईआरटी ने जरुरत से कम किताबें छापी हैं, जिनसे लाभ उठा कर जो पहले अंग्रेजी के बैस्ट सेलर की पाइरेटेड कापी छापते थे वे पब्लिशर्ज इसमें घुस गए हैं और उन्होंने काफी बडी संख्या में कुछ किताबें छापी हैं, और उन नकली संस्करणों से ये लाभ उठा रहे हैं जिनकी कीमत एनसीईआरटी की किताबों से तीन गुणा अधिक है और बहुत सारी सरकारें भी इसके बारे में बेरुख हैं? तो उसको रोकने के लिए आप क्या करेंगे?

डा.वल्लभभाई रामजीभाई कथीरियाः सर, हम ध्यान रख रहे हैं कि पहले से ही सफीशिएंट मात्रा में बुक्स छपें। पहले यह होता है कि इनीशियली प्रिंटिंग का जो आर्डर करते हैं वह ...(**व्यवधान**)....

श्रीमती चन्द्रकला पांडेः सफीशिएंट मात्रा में बिल्कुल नहीं है, बाजार में बिल्कुल नहीं हैं ...(**व्यवधान**)....

श्री सभापति; इन्हें बोलने दीजिए, बोलने दीजिए, जो करते हैं ...(**व्यवधान**)....

डा. वल्लभभाई रामजी भाई कथीरियाः पहले दस हजार बुक्स का आर्डर देते हैं और बाद में 25 हजार बुक्स का आर्डर देते हैं। वैसे टोटल जो मात्रा है वह तो अभी तक एक करोड़ 53 लाख बुक्स तो छप गई हैं और बाकी धीमे-धीमे सभी-क्योंकि टोटल जितने भी 60 के करीब सब्जैक्ट्स हैं जिनकी बुक्स छपनी होती हैं। तो ...(**व्यवधान**)....

श्रीमती चन्द्रकला पांडेः सर, धीमे-धीमे का क्या मतलब होता है? ...(**व्यवधान**)....

डा. वल्लभभाई रामजीभाई कथीरियाः सर, अभी खत्म नहीं हुआ ...(**व्यवधान**).. हमने अभी कहा ...(**व्यवधान**)....

श्रीमती चन्द्रकला पांडे : नहीं, नकली किताबें जो छपी है ...(**व्यवधान**)....

श्रीमती सरोज दुबेः जिनके ऊपर मार पडी है ...(**व्यवधान**).... धीमे-धीमे किताब छपवा रहे हैं ।...(**व्यवधान**)....

डा. वल्लभभाई रामजी भाई कथीरियाः आप एक-एक करके सवाल पूछिए ...(**व्यवधान**)....

श्री सभापतिः बैठिए तो सही, आप जवाब तो देने दीजिए ।

डा. वल्लभभाई रामजीभाई कथीरियाः आप एक-एक करके पूछिए तभी तो मैं जवाब दे सकता हूं ।...(**व्यवधान**)....

श्रीमती चन्द्रकला पांडेः नहीं, अपने जवाब नहीं दिया । जो ...(**व्यवधान**)....सभापति महोदय, मेरी बात का उत्तर नहीं आया है ।

श्री सभापतिः माननीय मंत्री महोदय, एक बात का उत्तर दे दीजिए कि भविष्य में समय प पुस्तकें विधार्थियों को मिल जाएं, इसमें किसी प्रकार की कमी नहीं रहे ।

डा. वल्लभभाई रामजीभाई कथीरिया : इसमें कमी नहीं रहेगी, क्योंकि ये फर्स्ट टाइम छप रही हैं इसलिए दिक्कत आई है। नैक्स्ट ईयर, ऐसा नहीं होगा ।...(**व्यवधान**)...

श्रीमती चन्द्रकला पांडे : सभापति महोदय, ये जो नकली किताबें तीन गुना दाम पर बिक रही है उसका क्या करेंगे?

श्री सभापति :ठीक है, उन्होंने कहा है कि वह देखेंगे ।

डा. वल्लभभाई रामजीभाई कथीरियाः ये नकली किताबें नहीं हैं ...(**व्यवधान**)....

श्री सभापतिः आप बैठ जाइये । मैम एलाउ नहीं करुंगा। ...(**व्यवधान**).... बालकवि बैरागी । ...(**व्यवधान**).... पहले बालकवि बैरागी को सुन लिजिए, कविता में प्रश्न पूछेंगे ।

श्री बालकवि बैरागीः माननीय सभापति महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि बाजार में पुस्तकें आने में जो विलम्ब होता है, क्या उसमें वितरकों की गलतियां है या प्रैस से ही छपकर बाहर नहीं आती हैं और इन नकली पुस्तकों से लड़ने की आपकी रणनीति क्या है?

महोदय, प्रेस भी रिपोर्ट करती है और उसमें छपने के कारण भी आप के सामने बाधाएं आती है। नकली किताबों के बार में काफी छपा है और यह करोड़ो बच्चों के भविष्य का प्रश्न है।

डा. वल्लभभाई रामजीभाई कथीरियाः महोदय, माननीय सदस्य ने जो चिन्ता व्यक्त की है, उस पर हम ध्यान रखेंगे कि जितनी भी किताबें छपी हैं, वे पूरी मात्रा में एवैलेबल कराएंगे और महोदय, हमारे पास नकली पुस्तकें छपने के बारे में कोई कम्प्लेंट नहीं आई है।

श्री बालकवि बैरागी : माननीय सभापति महोदय, रोज के अखबारों में इस बाबत आ रहा है।

श्री जीवन राय: सर, आप कुछ डायरेक्शन दे दें।

श्री सभापति : अगर किसी के पास नकली पुस्तकें हों तो मुझे दे दें मैं उन्हें मंत्री जी को भेज दूंगा।

डा. वल्लभभाई रामजीभाई कथीरियाः महोदय, हम उस पर जरुर कार्यवाही करेंगे।

श्री सभापति : प्रश्न संख्या 591.

Impact of mid-day meal scheme on education

*591. SHRI MATILAL SARKAR: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the names of the States where the system of mid-day meal in schools has been introduced (with the year of the commencement of the system);

(b) what about those States where the system is still due to be started;

(c) what share do the Central Government bear for running mid-day meal scheme in the States;

(d) whether Government have formulated or are going to formulate a nation-wide policy on the system; if so, the details thereof; and

(e) the impact of mid-day meals on elementary education according to the Central Government?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ASHOK PRADHAN): (a) to (e) A Statement is laid on the Table of the House.